फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 41 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 11 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

AfD victory in German state sends shockwaves...

The significance of its victory is that for the first time, a far-right party will rule a German state government since the Second World War

Sanskrit Recounting of Nightlife

The Chocolate That Survived the Heat

'मैं इन दिनों पंजाब के सभी नेताओं से मिल रहा हूँ और उनकी कुण्ठाएँ, शिकवे, शिकायतें समझ रहा हूँ'

पायलट का मानना है, प्रमुख राजनीतक संघर्ष आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच है और आप संगठित नहीं है, हाल ही में पार्टी के आठ विधायक पार्टी छोड़कर जा चुके हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। पंजाब के लिए हाल ही में नियुक्त ए.आई.सी.सी. महासचिव ुप्रभारी सचिन पायलट के पास राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले बहुत कम समय है, और उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना करना है।

इस संवाददाता से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के कई पार्टी नेताओं से मुलाकात की है, उनकी शिकायतें और समस्याएं सुनी हैं और इस बात पर जोर दिया है कि राज्य में सत्ता में वापसी के लिए उन्हें अपने मतभेद भुलाकर एकजुट होकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि चन्नी, रंधावा और अन्य के साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन पीसीसी अध्यक्ष राजा वडिंग को बदलने का मुद्दा बातचीत में शामिल नहीं था।

सचिन पायलट ने कहा कि उन्हें कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

- **पायलट ने यह पुरजोर ढंग से कहा, पंजाब में ड्रग्स की समस्या के लिए काफी हद तक गुजरात जिम्मेवार है, क्योंकि ड्रग्स पंजाब में गुजरात के मार्फत आती हैं तथा गुजरात इस आवागमन को किन्हीं कारणों से रोक नहीं पा रहा।**
- **पायलट ने पंजाब के नेताओं को यह भी स्मरण कराया कि अगर वे लोग मिलकर चुनाव नहीं लड़ पाए तो चुनाव के बाद सीबीआई, ईडी उनका जीना मुश्किल कर देगी।**

पंजाब में नशीले पदार्थों के आने के भाजपा के आरोप पर सचिन पायलट ने कहा कि सबसे अधिक मात्रा में नशीले पदार्थ गुजरात के बंदरगाह पर पकड़े गए हैं, जहां केन्द्र और राज्य, दोनों जगह भाजपा की सरकार है। इसलिए भाजपा को ये दोहरी बातें और पाखंड की राजनीति बंद करनी चाहिए।

पायलट ने जोर देकर कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने में विफल रहने की जिम्मेदारी भाजपा को लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच है, क्योंकि भाजपा कहीं भी मुकाबले में नहीं है।

उन्होंने कहा कि पहले भी जब बादल सीनियर जीवित थे, तब भाजपा और अकाली दल का गठबंधन था, लेकिन इसके बावजूद यह गठबंधन चुनाव हार गया था।

राहुल गांधी जल्द ही पंजाब जाएंगे और बस यात्रा के जरिए पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। हालांकि, तारीखें पायलट के कार्यभार संभालने के बाद पंजाब के पहले दौरे के बाद तय की जाएंगी।

पार्टी नेताओं को एक-दूसरे के खिलाफ और राज्य अध्यक्ष के खिलाफ दबे हुए गुस्से, भावनाओं और नाराजगी को बाहर निकालने के लिए थोड़ा समय दे रही है।

मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी को भी पंजाब में चुनाव अभियान की शुरुआत करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस एकजुट रहेगी और सत्ता में वापसी के लिए मिलकर काम करेगी, जबकि आम आदमी पार्टी के आठ सांसद पार्टी छोड़कर अलग हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि यही असली विभाजन है। हालात कठिन है।

नेता अब नरम रुख अपना रहे हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक बलजीत यादव के पास जेल में मोबाइल मिला

जयपुर, 10 सितम्बर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव के पास मोबाइल मिलने से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल प्रशासन की ओर से र्ड में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान विचाराधीन बंदी बलजीत यादव के पास

- **सघन तलाशी अभियान में जयपुर के सैंट्रल जेल में अलग-अलग बंदियों के पास 8 मोबाइल बरामद हुए।**

कैचोडा कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ। यादव ने मोबाइल को जमीन पर बिछाए कंबल के नीचे छिपा रखा था। जेल प्रशासन ने मोबाइल जब्त कर लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया है।

जेल में गुरुवार को भी सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान अलग-अलग बंदियों के पास से 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इससे दो दिन पहले भी जेल प्रशासन ने तलाशी के दौरान 13 मोबाइल फोन जब्त किए थे और संबंधित बंदियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए थे। लगातार हो रही बरामदगी के बाद जेल प्रशासन की ओर से सर्च ऑपरेशन जारी है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जेल में बंद रहने के दौरान बलजीत यादव मोबाइल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा राघव चड्ढा दिल्ली के वोटर बनने में सफल हुए

इस सफलता के बाद अब राघव चड्ढा का राज्य सभा का सदस्य बनने का रास्ता खुल गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के कुछ ही दिनों बाद भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम अचानक दिल्ली की मतदाता सूची में शामिल कर दिया गया। इस मामले को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अब चुनाव आयोग ने इस दिलचस्प मामले को लेकर सफाई दी है। दिल्ली के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर (सीईओ) के कार्यालय ने बताया कि चड्ढा ने 26 अगस्त को राजिंदर नगर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म 6 दाखिल किया था। चुनाव आयोग ने कहा कि उचित प्रक्रिया पूरी करने के बाद 2 सितंबर को उनके आवेदन को मंजूरी दे दी गई।

विवाद के केन्द्र में एक महत्वपूर्ण सवाल है। ड्राफ्ट लिस्ट प्रकाशित होने के बाद, और 4 नवम्बर को होने वाले अंतिम सूची के प्रकाशन से पहले, चड्ढा का नाम दिल्ली की मतदाता सूची में कैसे आ गया?

आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग पर जोरदार हमला करते हुए

- **पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने उनका नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटवा दिया, फिर दिल्ली की वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की कोशिश में भी पूर्ण बाधाएँ डालीं। पर, दिल्ली की भाजपा की सरकार की मदद ने उन्हें दिल्ली का वोटर बनवा ही दिया।**

आरोप लगाया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीज़न-एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान पंजाब की मसौदा मतदाता सूची (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) से नाम हटाए जाने के बाद, चड्ढा का नाम दिल्ली की मतदाता सूची में "पिछले दरवाजे" से जोड़ा गया।

अयोग्य मतदाताओं को हटाने के लिए चल रही एसआईआर प्रक्रिया के कारण, दिल्ली की मतदाता सूची को 16 जून से 31 अगस्त तक रोक दिया गया था। ड्राफ्ट मतदाता सूची 31 अगस्त को प्रकाशित हुई थी। इसमें चड्ढा का नाम शामिल नहीं था।

13 अगस्त को प्रकाशित पंजाब की ड्राफ्ट मतदाता सूची में भी चड्ढा का नाम नहीं था। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, उनके नाम के सामने "स्थायी रूप से स्थानांतरित" लिखा हुआ है। इसके बाद चड्ढा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर "बदले की राजनीति" करने का आरोप लगाया था।

"जन प्रतिनिधित्व अधिनियम" के अनुसार, राज्यसभा का सांसद बनने के लिए, उम्मीदवार का किसी भी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना जरूरी है।

अब दिल्ली की मतदाता सूची में उनके नाम को अचानक शामिल किए जाने से विवाद खड़ा हो गया है।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने बताया कि राज्यसभा सांसद ने 26 अगस्त को फॉर्म 6 दाखिल कर राजिंदर नगर की मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए आवेदन किया था। फॉर्म 6 का इस्तेमाल नए मतदाता के पंजीकरण के लिए किया जाता है।

बयान में कहा गया, "यू05039डी 6एन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आपको गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह'

ट्रंप ने नए व्यंगात्मक विज्ञापन के जरिए "मि. सिंह" को सड़क से उतरने की सलाह दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। भारत और भारतीयों का एक और अपमान करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के डिपार्टमैंट ऑफ होमलैण्ड सिक्यूरिटी (डी.एच.एस.) ने मोदी सरकार पर नस्लीय हमला किया है। विभाग ने एक विज्ञापन जारी किया है, जिसमें दाढ़ी वाले एक सांवले व्यक्ति को "मिस्टर सिंह" के रूप में दिखाया गया है। इसके बाद एडवोकेसी ग्रुप्स ने एजेंसी पर नस्लवादी और अमेरिकन प्रोफाइलिंग का आरोप लगाया।

डीएचएस ने ट्रंप प्रशासन के स्वेच्छा से देश छोड़ने के अभियान को बढ़ावा देने वाला एक सोशल मीडिया पोस्टर जारी किया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। आलोचकों ने विभाग

- **इस अजीबोगरीब विज्ञापन में मिस्टर सिंह को, एक सरदार जैसा रूप देकर, मोदी सरकार के लिए नई आफत खड़ी की और वह भी पंजाब चुनाव से पहले।**

पर नस्लवादी और भारत विरोधी संदेश देने का आरोप लगाया है।

यह पोस्टर ट्रंप प्रशासन द्वारा इमिग्रेशन पर कार्रवाई तेज किए जाने के बीच साझा किया गया है। इसमें "खुद देश छोड़ो या फिर परिणाम भुगतो" की चेतावनी दी गई है और ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइज़ी का जिक्र है।

इसमें यह लाइन भी लिखी है: "हमारी सड़कों से हट जाओ। आपको गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।"

यह पोस्टर ऐसे समय आया है, जब भाजपा पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर सत्ता में आने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। अब तक भगवा पार्टी पंजाब में अपने दम पर सत्ता हासिल नहीं कर सकी है।

"सिंह" सरनेम के इस्तेमाल की भारतीय-अमेरिकी और सिख संगठनों ने आलोचना की है। उनका कहना है कि यह संदेश दक्षिण एशियाई मूल के लोगों की गलत छवि पेश करता है।

एक संबंधित वीडियो में ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइज़ी के मुख्य खलनायक मेगाट्रॉन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें उसे ट्रक ड्राइवरों, हरजिंदर सिंह, राजिंदर कुमार, बेकझान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले सौतेले पिता को 20 साल की सजा

जयपुर 10 सितंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग से सालों तक दुष्कर्म करने वाले सौतेले पिता को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 48 साल के इस अभियुक्त पर 3.06 लाख रुपए का

- **अभियुक्त, पीड़िता को तीन लाख रूपए में बचने के लिए भी तैयार हो गया था।**

जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पिता-पुत्री के रिश्ते को कलंकित करते हुए करीब छह साल तक उसके साथ दुष्कर्म किया है। ऐसे में उसके खिलाफ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने मकान हड़पने के लिए पीड़िता की मां के एक व्यक्ति से षड्यंत्र रचने की बात कही है, जबकि उस व्यक्ति ने बतौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर मायावती ने अपने घोषित उत्तराधिकारी को पद मुक्त किया

सपा, कांग्रेस और छोटे-मोटे विघटित हुए पार्टी के अंश, बसपा के टूटते वोट बैंक का हिस्सा हथियाने में जुटे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में एक बार फिर अंदरूनी कलह बढ़ गई है, क्योंकि, मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद को दरकिनार कर दिया है। सितंबर 2026 की शुरुआत में उन्होंने आकाश आनंद से महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां वापस लेते हुए कहा कि इन जिम्मेदारियों लिए उन्हें अधिक राजनीतिक परिपक्वता की जरूरत है। इसके बाद उन्होंने आकाश आनंद को उनका पद वापस देने के लिए एक स्पष्ट शर्त रखी कि उनके ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से पूरी तरह संन्यास लेना होगा।

मायावती की सिद्धार्थ से नाराज़गी

- **सपा ने बसपा का नीला रूख अख्तियार किया और अपने विद्यार्थी संगठन को नीले रंग की टी-शर्ट व जीन्स की यूनीफॉर्म दी, कांग्रेस ने संविधान बचाओ अभियान चलाया तथा नीला रंग भी अपनाया। भाजपा ने वैलफेयर स्कीम्स के मार्फत "इन्क्लूज़न" (शामिल करने) की नीति अपनाई।**
- **जैसा कि विदित ही है, 2001 में बसपा का वोट शेयर 30 प्रतिशत था, 2017 में 22.23, 2022 में 12.88 और 2024 में 9.39 प्रतिशत रह गया था।**

की वजहें, गुटबाजी, पार्टी विरोधी गतिविधियों और आनंद पर अनुचित प्रभाव के लम्बे समय से चले आ रहे आरोपों से जुड़ी हैं। मायावती ने बार-बार सिद्धार्थ पर पार्टी में विभाजन को बढ़ावा देने, बहुजन आंदोलन के हितों से ऊपर निजी और पारिवारिक हितों को रखने तथा आनंद के राजनीतिक करियर और पार्टी की संगठनात्मक एकजुटता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। 10 सितंबर को सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी, लेकिन इसके बाद भी मायावती ने आनंद को पार्टी से "पूरी तरह मुक्त" कर दिया।

उन्होंने सबूत के तौर पर कहा कि आकाश ने उन से जुड़े अपने सोशल मीडिया संदेशों को दोबारा साझा नहीं किया, जो उनकी बँटी हुई निष्ठा और "दोहरी मानसिकता" दिखाता है, जिसमें उन्होंने पार्टी अनुशासन से ऊपर पारिवारिक रिश्तों को रखा है।

यह पारिवारिक विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब चुनावी स्तर पर बसपा का लगातार पतन हुआ है। उत्तर प्रदेश में 2007 में मिली शानदार चुनावी जीत के दौरान, बसपा का वोट प्रतिशत 30 प्रतिशत से अधिक था। यह 2017 के विधानसभा चुनाव में घटकर 22.23 प्रतिशत, 2022 में 12.88 प्रतिशत रह गया, जब पार्टी को केवल एक सीट मिली थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह और भी घटकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सवाई माधोपुर कलेक्टर, अदालत की पालना करें या 18 अक्टूबर को पेश हों

जयपुर 10 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर में हवाई पट्टी के लिए दशकों पूर्व ली गई जमीन के बदले अदालती आदेश के बावजूद, भूमि आवंटित नहीं करने से जुड़े मामले में स्थानीय कलेक्टर को 7 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश

- **दशकों पूर्व हवाई पट्टी के लिए ली गई जमीन के एवज में भूमि आवंटन का मामला।**

दिए हैं। अदालत ने कहा कि यदि पूर्व में दिए आदेश की पालना कर ली जाती है तो कलेक्टर को पेश होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने ये आदेश अजीजुद्दीन की ओर से दायर अवमानना याचिका पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत को एक अनूठा मौका दिया है

भारत साबित कर सकता है कि स्ट्रैटजिक ऑटोनोमी" (रणनीतिक स्वशासन) का मतलब निष्क्रिय तटस्थता नहीं है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की भारत की मेज़बानी इस समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है। विस्तार के बाद ब्रिक्स में अब एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व और लैटिन अमेरिका की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं, लेकिन इसके बढ़ते भू-राजनीतिक महत्व ने इसके सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेदों को भी उजागर कर दिया है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह शिखर सम्मेलन "ग्लोबल साउथ" के एजेंडे को आकार देने का एक अवसर होने के साथ-साथ, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की कठिन परीक्षा भी है।

सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का सम्मेलन में शामिल होने का फैसला है। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद भारत की उनकी यह पहली यात्रा है, जो इस सम्मेलन को ब्रिक्स से कहीं ज्यादा महत्व देती है। नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में फिर से, हाल ही में नए सिरे से कूटनीतिक बातचीत और सीमा से जुड़े मुद्दों पर हुई प्रगति के बाद स्थिरता के संकेत मिले हैं। फिर भी दोनों देशों के रिश्तों में रणनीतिक अविश्वास बना हुआ है। इसलिए मोदी-शी की बैठक पर यह देखने के लिए नज़र रखी जाएगी कि क्या हालिया सुधार एक व्यापक सुधार

- **इसका मतलब भारत यह समझता है, सभी "इन्टरैस्ट ग्रुप्स" से, सभी खेमों से एक साथ मिलकर काम करना व बातचीत करना तथा अपने हितों को आगे बढ़ाना।**
- **उदाहरण के लिए, रूस व चीन की अलग गणित है। वैस्ट एशिया के देशों का अपना सुरक्षा का आंकलन है, ब्राज़ील व दक्षिण अफ्रीका की अलग परिस्थितियाँ हैं। अतः, ब्रिक्स सम्मेलन व गठबंधन में काफी तरह की विविध सोच हैं तथा यह विविधता ही इस संगठन की ताकत है।**
- **अगर-भारत की स्पष्ट सोच को सफलता मिलती है, तो भारत अपने आप को ऐसे देश के रूप में स्थापित कर लेगा, जो देशों के बीच पुल (ब्रिज) बनता है।**

में बदल सकते हैं।

भारत के पास चीन के साथ न तो टकराव बढ़ाने का कोई खास कारण है और न ही कृत्रिम रूप से संबंध सुधारने का। भारत का उद्देश्य संभवतः चीन के साथ ऐसे अधिक भरोसेमंद और अनुमान योग्य संबंध बनाना है, जो सीमा पर शांति, व्यापार, तकनीक और क्षेत्रीय प्रभाव के क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को संभालने का आधार बनें। हाल में दोनों देशों के संबंधों में सुधार के साथ आर्थिक संपर्क भी बढ़ा है। चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि संबंध सामान्य करने की प्रक्रिया भारत के सुरक्षा हितों की कीमत पर न हो।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मौजूदगी इस सम्मेलन में एक और आयाम जोड़ती है। मोदी और पुतिन की 11 सितंबर को शिखर सम्मेलन से पहले मुलाकात होने वाली है। यह मुलाकात शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हाल की उनकी बातचीत के बाद हो रही है। इसमें ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, भुगतान और व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर प्रमुखता से चर्चा होने की संभावना है। रूस का कहना है कि ब्रिक्स देशों के साथ उसका करीब 90 प्रतिशत भुगतान अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किया जाता है, जो वैकल्पिक भुगतान तंत्र के बढ़ते महत्व को उजागर करता है।

इससे "डी-डॉलराइज़ेशन", यानी डॉलर पर निर्भरता कम करने का सवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री नवोदय कॉलेज जगतपुरा में मतदान करेंगे

जयपुर, 10 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सुबह 10 बजे एनडब्ल्यूआर ऑफिस के पास स्थित नवोदय शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज (गेटोर, जगतपुरा) पहुंचकर जयपुर नगर निगम चुनाव में मतदान करेंगे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी जयपुर के वार्ड 141 में सिटी पैलेस स्थित बूथ संख्या 10 पर सुबह 8.30 बजे मतदान करेंगी। वहीं, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी वार्ड 90 में विवेक विहार स्थित सेंड ड्यून स्कूल में प्रातः 10.15 बजे मतदान करेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद डॉ सतीश पूनिया वार्ड 34 में राणी सती नगर स्थित ब्राइट फ्यूचर स्कूल में प्रातः 10 बजे मतदान करेंगे। जयपुर सांसद मंजू शर्मा वार्ड 76 के महावीर नगर स्थित आर्किड्स सेंट्रल स्कूल आफ एक्सीलेंस में प्रात 7.30 बजे मतदान करेंगी। कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड वार्ड 28 के भाग संख्या 13 पर गुरुकुल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रातः 8.30 बजे मतदान करेंगे।